राजघाट समाधि समिति

राजघाट समाधि समिति संसद के एक अधिनियम, जिसे राजघाट समाधि अधिनियम, 1951 और राजघाट समाधि (संशोधन)अधिनियम, 1958 कहा जाता है, द्वारा सृजित एक स्वायत्त निकाय है, जिसे निम्नलिखित उत्तरदायित्व सौंपे हुए हैं:-

- समाधि के कार्यों को नियंत्रित करना और समाधि को उचित प्रकार से रखना तथा उसे अच्छी मरम्मत की स्थिति में रखना।
- समाधि पर समय-समय पर समारोहों को आयोजित और संचालित करना।
- कुछ अन्य ऐसे कार्य करना, जो समाधि के कार्यों के कुशल प्रशासन से संबंधित हो अथवा जुड़े हों।

समिति का गठन

समिति में निम्न 11 सदस्य शामिल है:

- मेयर, दिल्ली नगर निगम(पदेन)
- सरकार द्वारा नामित तीन अधिकारी
- चार गैर- सरकारी सदस्य
- संसद के तीन सदस्य(लोक सभा अध्यक्ष द्वारा नियुक्त दो सदस्य लोक सभा से और राज्य सभा के सभापति द्वारा नियुक्त एक सदस्य)
- उपर्युक्त सदस्यों के अलावा सरकार ने अधिनियम 1951 के खण्ड 4(2) के तहत शहरी विकास और गरीबी उपशमन मंत्री को राजघाट समाधि समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया है।

समिति का पुनर्गठन सितंबर 2000 में तत्कालीन शहरी विकास और गरीबी उपशमन मंत्री श्री जगमोहन की अध्यक्षता में किया गया था और इसमें निम्नलिखित सदस्य थे: कु0 निर्मला देश पाण्डे, श्री राज मोहन गांधी , श्री गुलाम नवी आजाद, सांसद, कर्नल(सेवानिवृत्त), सेना राम चौ0, सांसद, श्री जी0जे0 जाविया, सांसद, श्री शांति देसाई(मेयर दिल्ली), डा0 दीपक नायर(उप कुलपति दिल्ली विश्व-विद्यालय),श्री बी जी वर्गिस(वरिष्ठ पत्रकार), श्रीमती विनिता राय(अपर सचिव, शहरी विकास और गरीबी उपशमन मंत्रालय), श्री पी एस भटनागर(मुख्य सचिव, दिल्ली सरकार) तथा श्री के एस श्रीवास्तव(संयुक्त सचिव, संस्कृति विभाग)

तदोपरांत श्री जगमोहन के स्थान श्री अनन्त कुमार, शहरी विकास और गरीबी उपशमन मंत्री दिनांक 31.10.2001 से राजघाट समाधि समिति के अध्यक्ष बने।

बैठकें: रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान समिति की 2.7.2001 और 8.1.2002 को दो बैठकें आयोजित की गई।

मरम्मत एवं रखरखाव

उद्यान एवं पार्कों, इलैक्ट्रिक इन्सटॉलेशन एवं पंप और अन्य संरचनाओं की मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग की उद्यान, विद्युत और सिविल इंजीनियरिंग डिवीजनों को सौंपा हुआ है ।

समारोह

पिछले वर्षो की तरह विशेष समारोहों का आयोजन 2 अक्तूबर और 30 जनवरी 2008 को महात्मा गांधी का जन्म दिवस और पुण्य तिथि मनाने के लिए किया गया । इन दोनों अवसरों पर सर्वधर्म प्रार्थना सभाएं, फोटो प्रदर्शनी, गांधी साहित्य की बिक्री और बड़े स्तर पर चरखा कातने के कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

15 अगस्त 2001 के दिन प्रधानमंत्री समाधि पर आए और उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी ।

इन वार्षिक समारोहों के अतिरिक्त पूरे वर्ष प्रत्येक शुक्रवार को शाम के समय नियमित रुप से सर्वधर्म प्रार्थना सभाएं और चरखा कातने के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ।